PAGE NO.:
DATE: / /

पाठ - १२ कैदी और कोकिला

शब्दार्थ :-

१.	वटमार	रास्ते में यात्रियों को लूट लेने वाला
२.	हिमकर	चंद्रमा
३.	दावानल	जंगल की आग
४.	मोट	पुर, चरस्सा
५.	जूआ	बैलों के कंधे पर रखी जाने वाली लकड़ी
६.	हुंकृति	हुंकार, पुकार
७.	व्याली	सर्पिणी
८.	मोहन	महात्मा गांधी
९.	व्रत	प्रतिज्ञा
१०.	आसव	अमृत
११.	आली	सखी
१२.	हूक	चीख
१३.	गाली	अपशब्द
१४.	रणभेरी	युद्ध के लिए ललकारना
१५.	कृति	रचना

PAGE NO.:
DATE: / /

कविता का सारांश :-

प्रसिद्ध राष्ट्रप्रेमी कवी माखनलाल चतुर्वेदी ने 'कैदी और कोकिला' कविता में कोकिला के माध्यम से पराधीन भारत की जेलों की दुर्दशा का वर्णन किया है और लोगों को क्रांति करने का आहवान किया है। कारागार में बंदी कवि अंधेरी रात में कोयल का मधुर स्वर सुनकर आंदोलित हो उठता है। उसका मन प्रश्नों और जिज्ञासाओं से भर उठता है। कोयल को देखकर सहसा उसे जेल के बंदी वातावरण का स्मरण हो आता है। वह चोरों, डाकुओं और बटमारों के संग भूखा रहने को विवश है। चारो ओर अंधेरा है। कवि कोकिल से पूछता है कि वह इस कष्टकर वातावरण में क्यों आई है? शायद मधुरता बरसाने आई थी किंतु उसने कवि की यातनाओं को देखलिया है, इसलिए उसकी चीख निकल पड़ी है।

कवि हथकड़ियों को अपना आभूषण, कोल्हू की आवाज को अपना जीवन संगीत मानता है। जेल की यातनाओं को अपने जीवन का गौरव मानता है। कवि कोयल की आवाज को एक हुंकार मान गाँधी जी के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति

देने को तत्पर है।

प्र० / उ० :-

१. कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी

उ० - कोयल की कूक सुनकर कवि को लग रहा है कि कोयल कोई महत्वपूर्ण संदेश लाई है।

२. कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई ?

उ० - कवि ने कोकिल के बोलने के निम्नलिखित कारणों की संभावना बताई है :-

१. उसने कहीं जंगल में आग देख ली है।
२. क्रांतिकारियों का हौंसला बढ़ाने आई है।
३. वह कवि की यातनाओं से सहानुभूति प्रकट करने आई है।
४. या कवि के हृदय में विद्रोह के बीज बोने आई है।

१३. किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों ?

उ० - यहाँ अंग्रेजी शासन की तुलना की गई है क्योंकि अंग्रेज सरकार की कार्य प्रणाली अंधकार की तरह है (अन्याय की तरह है)।

PAGE NO.:
DATE: / /

४. कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यंत्रणाओं का वर्णन कीजिए।

उ०- कविता के अनुसार पराधीन भारत की जेलों में कैदियों से पशुओं के समान काम करवाया जाता है, उन्हें कोठरियों में रखा जाता था और खाना भी पेटभर नहीं मिलता था।

५. अर्द्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?

उ०- अर्द्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि यह अंदेशा लगाते हैं कि कोयल पागल तो नहीं हो गई है, या कोयल को संदेश दे रही है, या वह क्रांतिकारियों का दुख नहीं देख पा रही है।

६. कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?

उ०- क्योंकि वह स्वतंत्र है, जबकि कवि बंदी है। कोयल हरियाली का आनंद ले रही है जबकि कवि 10 फीट की कोठरी में बंद है। कोयल के गान की सभी सराहना करते हैं जबकि कवि का रोना भी कोई नहीं सुनना चाहता।

७. हथकड़ियों को क्यों गहना कहा गया है?

उ०- गहने पहनने से पहनने वाले का सौंदर्य व गौरव बढ़ता है, चतुर्वेदी जैसे क्रांतिकारी

PAGE NO.:
DATE: / /

स्वतंत्रता

जिन्होंने प्राप्ति के लिए स्वयं प्रेरणा से संघर्ष का मार्ग अपनाया था, जेल को अपना प्रिय आवास तथा हथकड़ियों को गहना समझा था, इससे उनका गौरव बढ़ता है, इसलिए उन्होंने हथकड़ियों को गहना कहा है।